Engineers' Day 2025: A Celebration of Innovation and Technical Excellence at IUR

On 15th September 2025, the Faculty of Science and Engineering proudly celebrated Engineers' Day. The event was honored by Prof. (Dr.) O. P. Vyas, Director, IIIT Naya Raipur, as the Chief Guest. Our Hon'ble Vice Chancellor, Prof. (Dr.) S. D. Pandey, along with Dean Academic Affairs Prof. (Dr.) K. Kishore Kumar and Registrar Dr. Manish Upadhyay, added dignity to the celebration. The program began with the lamp lighting ceremony, followed by inspiring addresses. Students enthusiastically participated in project, poster, and model presentations. Exciting robo events and cultural programs were also part of the day. The event showcased innovation, creativity, and technical talent. It concluded with cultural performances, making the day a memorable success.

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, ने 58 वाँ राष्ट्रीय अभियंता दिवस नवाचार, संस्कृति और प्रेरणा के साथ मनाया

कुम्हारी (कुबेर भूमि)। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, ने सोमवार को विश्वविद्यालय सभागार में भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया की स्मृति में 58 वाँ राष्ट्रीय अभियंता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर अभियंताओं की राष्ट्र-निर्माण और नवाचार में भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का भी प्रदर्शन हुआ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11:00 बजे दीप प्रज्वलन और प्रार्थना गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडे, कुलपति; मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. ओ. पी. व्यास, निदेशक, आईआईआईटी-नया रायपुर; प्रो. डॉ. मनीष उपाध्याय, कुलसचिव; तथा डॉ. के. किशोर कुमार, अधिष्ठाता-शैक्षणिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत स्मृति-चिह्न स्वरूप पौधा भेंट कर किया गया।

अपने संबोधन में कुलपति प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडे ने छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुए नवाचार, सृजनशीलता और अभियंत्रण उत्कृष्टता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने

अभियंताओं की भूमिका को वैश्विक चुनौतियों के समाधान तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्राप्ति में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया।

मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. ओ. पी. व्यास ने छात्रों को सर एम. विश्वेश्वरैया के ईमानदारी, समयपालन और समर्पण जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्रों द्वारा प्रदर्शनी में प्रस्तुत नवाचारी प्रोजेक्ट्स और मॉडलों की भी सराहना की।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया गया, जिसमें छात्रों ने देशभक्ति गीत, नृत्य, नाटक और कविताओं की प्रस्तुति दी। इन प्रस्तुतियों ने न केवल उत्सव का माहौल जीवंत बनाया, बल्कि विद्यार्थियों की बहुमुखी प्रतिभा को भी उजागर किया।

साथ ही प्रोजेक्ट प्रदर्शनी-कम-प्रतियोगिता का आयोजन हुआ, जिसमें रोबो-रेस और रोबो-सॉकर जैसी प्रतियोगिताएँ शामिल थीं। छात्रों ने इसमें अपनी तकनीकी दक्षता और रचनात्मकता का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन के साथ हुआ, जिसे श्री दिलीप मिश्रा, सहायक प्राध्यापक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संकाय ने प्रस्तुत किया। उन्होंने विश्वविद्यालय प्रबंधन, माननीय अतिथियों, संकाय सदस्यों, आयोजन समिति, छात्र संयोजकों और प्रतिभागियों के प्रति आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ।

आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, रायपुर में अभियंता दिवस का यह उत्सव विश्वविद्यालय की सतत प्रतिबद्धता को दर्शाता है, जो नवाचार, तकनीकी उत्कृष्टता, सांस्कृतिक मूल्यों और अभियंत्रण भावना के विकास को बढ़ावा देने के लिए सदैव अग्रसर है।

आईसीएफएआई विवि ने 58वाँ अभियंता दिवस मनाया

कुम्हारी। आईसीएफएआई विश्वविद्यालय, ने सोमवार को विश्वविद्यालय सभागार में भारत रत्न सर एम. विश्वेश्वरैया की स्मृति में 58 वाँ राष्ट्रीय अभियंता दिवस बड़े उत्साह और गरिमा के साथ मनाया। इस अवसर पर अभियंताओं की राष्ट्र-निर्माण और नवाचार में भूमिका पर प्रकाश डाला गया तथा छात्रों की रचनात्मकता और प्रतिभा का भी प्रदर्शन हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 11ः00 बजे दीप प्रज्वलन और प्रार्थना गीत के साथ हुआ। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडे, कुलपति; मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. ओ. पी. व्यास, निदेशक, आईआईआईटी-नया रायपुर; प्रो. डॉ. मनीष उपाध्याय, कुलसचिव; तथा डॉ. के. किशोर कुमार, अधिष्ठाता-शैक्षणिक उपस्थित रहे। अतिथियों का स्वागत स्मृति-चिह्न स्वरूप पौधा भेंट कर किया गया।

कुलपति प्रो. डॉ. शिव दयाल पांडे ने छात्रों को शुभकामनाएँ देते हुए नवाचार, सृजनशीलता और अभियंत्रण उत्कृष्टता के महत्व पर बल दिया। उन्होंने अभियंताओं की भूमिका को वैश्विक चुनौतियों के समाधान तथा सतत विकास लक्ष्यों (एसडीजीएस) की प्राप्ति में अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। मुख्य अतिथि प्रो. डॉ. ओ. पी. व्यास ने छात्रों को सर एम. विश्वेश्वरैया के ईमानदारी, समयपालन और समर्पण जैसे मूल्यों को जीवन में अपनाने की प्रेरणा दी। उन्होंने छात्रों द्वारा प्रदर्शनी में प्रस्तुत नवाचारी प्रोजेक्ट्स और मॉडलों की भी सराहना की।